"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार"

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2021-22

दि. 05/12/2022

नोटिस

वरीष्ठ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के बी. ए. भाग एक, दो और तीन के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि शैक्षिक वर्ष 2021-22 का पहले सत्र का अंतर्गत मूल्यमापन (होम असाइमेंट/टेस्ट/ सेमिनार /प्रोजेक्ट) दि. 05/01/2022 तक कमरा क्रमांक 23 में जमा करें।

डॉ. आरिफ महात
विभागाध्यक्ष,
हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,
कोल्हापूर.

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR 416 003

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I **Session:** JAN-FEB 202

Subject: HINDI COMP (GEC-1012A) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2021014507	336007	BAGWAN SHAHBAZ IMITYAZ	10
2	2021014525	336025	Buchade Atul Vilas	13
3	2021014527	336027	CHANDSHA ASIF RIYAJ	15
4	2021014528	336028	CHAVAN GEETA GANAPAT	14
5	2021014556	336056	DONE SHIVANI RAMCHANDRA	15
6	2021014564	336064	GAVASE TEJAS RAJENDRA	15
7	2021014568	336068	Gondhali Shreedhar Bharat	15
8	2021014582	336082	INGOLE BAPU NAVANATH	15
9	2021014588	336088	JADHAV SAYALI SURESH	10
10	2021014596	336096	Jamadar Saqlain Ayyajahamad	10
11	2021014599	336099	JOGAM AVADHUT MANIK	10
12	2021014605	336105	KAMBALE PRATHAM RAJARAM	13
13	2021014611	336111	KAMBLE ANIKET KUMAR	10
14	2021014620	336120	KAMBLE MRUNALI SACHIN	14
15	2021014630	336130	KAMBLE TUSHAR DILIP	AB
16	2021014637	336137	KATTE JANHAVI KASHINATH	15
17	2021014638	336138	KAZI AYUB SHABBIR	15
18	2021014639	336139	KHADE SIDDHESH NIVAS	10
19	2021014641	336141	KHARARE SAHIL NANDKUMAR	15
20	2021014644	336144	Khopkar Shivani Prasad	15
21	2021014645	336145	Khude Pratik Shahaji	13
22	2021014649	336149	KOLI HARSH PRADIP	10
23	2021014655	336155	KURANE ADITYA SHARAD	10
24	2021014670	336170	Mali Ajinkya Anil	15
25	2021014673	336173	MANE AVADUT KUMAR	AB
26	2021014678	336178	RITESH ANKUSH MANE	14
27	2021014685	336185	MASKE SUSHANT GANESH	10
28	2021014694	336194	MORE SAMRUDHI SANDEEP	15
29	2021014702	336202	MUSALE PRATHAMESH LAXMAN	AB
30	2021014713	336213	NAVALE SANSKRUTI SAVAN	15
31	2021014714	336214	NAVALE VARDHMAN ANIL	10
32	2021014724	336224	PATEL ARMAN MUJIB	10
33	2021014735	336235	PATIL AJIT ANANDA	10
34	2021014740	336240	PATIL AVIRAJ PANDURANG	AB
35	2021014746	336246	PATIL OMKAR RAJENDRA	10
36	2021014756	336256	PATIL SANIKA ARUN	14
37	2021014759	336259	PATIL SHRADDHA MADHUKAR	15
38	2021014768	336268	PATOLE NAYAN NARAYAN	15

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Internal Examiner **Mobile Number**

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I **Session:** JAN-FEB 2022

Subject: HINDI COMP (GEC-1012A) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
39	2021014769	336269	PATOLE POURNIMA RAJENDRA	15
40	2021014777	336277	POWAR PRANALI PRAKASH	15
41	2021014781	336281	POWAR VAISHNAVI KAKASO	15
42	2021014782	336282	POWAR YASH SHIVAJI	10
43	2021014783	336283	PRASAD DIPALI MOHAN	14
44	2021014788	336288	RATHOD SUNITA RAMESH	15
45	2021014808	336308	Shikalgar Khutija Allabaksha	13
46	2021014809	336309	Shinde Ajay Sanjay	14
47	2021014815	336315	SHINDE RUCHIKA RAJARAM	15
48	2021014816	336316	SHINDE SANJANA SANTOSH	10
49	2021014828	336328	Tashildar MohammadSufiyan Javed	11
50	2021014832	336332	TOMAKE RITESH RAMESH	10
51	2021014835	336335	ULAPE RITESH RAMESH	15
52	2021014839	336339	VAGHMARE ANIKET SUNIL	10
53	2021014840	336340	VHANBATTE PRATHAMESH PRAKASH	13
54	2021014844	336344	WAGHMARE BHAGYASHRI DHONDIRAM	15
55	2021014850	336350	ZARI UMAR DILAVAR	10
56	2021014865	336365	KHAN FIJA NURAMAHAMAD	15
57	2021014869	336369	Rajput Aashlesha Subhash	15
58	2020014666	409128	KRISHNA RAJU MALWADKAR	8

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

प्रणाली प्रकाश पोवार

Class B.A - I Div Roll No. 4777

Suppliment No. 7 Subject अनिवार्य हिंदी

Test / Tutorial No. 7

7] सजा कहानी की समीक्षा कीजिए ?

→ 'सजा' श्रीमती मन्नू भंडारी की बहुचर्चित कहानी है। यह कहानी है। यह कहानी उन्होंने आत्मकथा के रूप में लिखी है। आत्मकथा तो आशा नामक लडकी की है। पर लेखिका के लिखने का ढंग इतना अच्छा है. की यह कहानी उसकी न होकर भी उसकी मालूम होती है।

कहानी की लेखिका आशा अपने माँ- बाप, दादा-दादी, छोटे भाई चुन्नू के साथ बड़े मजे में रहती थी। आशा के पिता सरकारी दफ्तर में काम करनेवाले एक वफादार सेवक थे। वे बडे सीधे-सादे और ईमानदार सेवक है। उनके दफ्तर में काम करनेवाले भ्रष्टाचारी अफसरों के षडयंत्र का शिकार हो जाते हैं। ऑफिस से बीस हजार रुपये हडपने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार करके जेल भेज दिया जाता है। अदालत में उन्हें दो साल की सजा हुई। आशा के क्रांत मामा हाईकोर्ट से अपील मंजूर करवाकर उन्हें छुडा लाए। अब उनका केस हाय कोर्ट में चलने लगा।

यह मन्नू भंडारी की एक मर्मस्पर्शी कहानी है जो हमारी न्याय-व्यवस्था की गति पर तीखा प्रहार करती है। इस कहानी के नायक पर रिश्वत लेने का झूठा आरोप लगता है और अदालत में मुकदमा चलता है। मुकदमा खिंचता चला जाता है। तब तक उसका परिवार अनेक मुसीबतों से गुजरता है। वह स्वयं यातनाएँ सहता है। लम्बे अरसे बाद मुकदमे का फैसला होता है और उसे दोषमुक्त मान लिया जाता है। पर उसे इस फैसले पर

Scanned by CamScanner

कोई खुशी नहीं होती, क्योंकि मुकदमे के लम्बे खिंचने के कारण वह और उसका परिवार यातना की सजा तो भोग चुका है।

आर्थिक विपन्नता के कारण आशा के पापा को छोटे मकान में रहने की व्यवस्था करनी पडी। छोटे मुन्नू का दादा- दादी को गाँव भेज दिया गया। झूठे आरोप से लांछित होने के कारण आशा के पिता बुरी तरह टूट गये कि उनका सारा व्यक्तित्व ही टूट गया। आशा सब कुछ सहन करने के लिए तैयार है। वह केवल इतना ही चाहती है की, उसके पापा पहले की तरह हसमुख हो जाए। बूढे पिता गाँव जाकर नौकरी करके 25 रूपये भेजते थे। मगर हिसाब- किताब में भूल हो जाने से, वह नौकरी भी छूट गई। चुन्नू को अपने चाचा के पास पढ़ाई के लिए भेजा जाता है।

समझदार आशा ने ऐसी हालत में भी मैट्रिक का इम्तिहान दिया और सेकंड क्लास प्राप्त किया। अब वह समझदार बन गयी। अपनी चाची के स्वभाव को अच्छी तरह जानती थी। वह अपने चाचा के यहाँ कालेज की पढ़ाई के लिए आयी, मगर चाची का क्रोधी स्वभाव और चुन्नू की अवस्था देखकर अपनी पढ़ाई बंद कर दी। चाची को प्रसन्न रखने के लिए दिन रात घर का काम करता रहता है। बीमारी के कारण अम्मा को मामा के साथ ले गए और पापा अंधेरी सीलन भरी कोठरी में गंदे मोहल्ले में रहने चले गये। कोर्ट से सुनवाई की तारीखे जल्द नहीं मिल पाती। बेंक में जमा रूपया अदालत और वकिलों में खर्च हुआ। मम्मी के गहने तक बेचने पडे। पापा की दुर्दशा और न्याय हो गई थी।

7 Tupilz.

" ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार "
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Signature of Supervisor

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE (Autonomous), KOLHAPUR

कु. प्रणाली प्रकाश पोवार

Class B.A. I Div ______ Roll No. 4777

Suppliment No. ______ Subject अनिवार्य हिंदी

Test / Tutorial No. ______

9/10

1] टोबा टेकसिंह का असली नाम बिशन सिंह है।

क) बिशन सिंह ख) फजलदीन
ग) बिदुावा सिंह घ) बलवीर सिंह

→ क) बिशन सिंह

2] टोबा टेकसिंह के बेटी का नाम रूप कौर है।

क) नमिता ख) महेंद्रकुमारी
ग) रूककी घ) ~~ह~~ रूप कौर

3] मिलो जंगल रोककर रेगिस्तान का पुरब की तरह बडना रोक दिया गया।

→ रेगिस्तान

4] निर्मल वर्मा को सन 1999 को ज्ञानपीट पुरस्कार मिला।

→ 1999

5] शम्मी ~~भाई~~ भाई टहनी से फुल पुरस्ते हवे धरतीपर लिख रूनी लवा।

0 → रूनी

6] हे भगवान तेरे राज मे इतना अंधरे ! मेरे निरदोष बेटे को दो की सजा?

→ दो

Scanned by CamScanner

7) उषा प्रियंवदा का जन्म कानपुर शहर में हुवा।
→ कानपुर

8] मुझे शेठ रामजी की चिनी मिल मे नोकरी मिल रही है।
→ रामजी

9) राधा मौसी की शादी है।
→ राधा

10] ~~तुम्हे को~~ तुम्हे तो बिना मुलभाव के 50 हजार मिल रहे है।
→ 50 हजार

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I

Session:JAN-FEB 202

Subject: HINDI OPT -I (DSC-1016A) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2021014501	336001	AAJAPGOL YASH SANJAY	12
2	2021014502	336002	AOUTADE SOURABH DNYANDEV	15
3	2021014503	336003	Adityaraj Ananda Awate	9
4	2021014504	336004	AWATE NIKHIL VIJAY	15
5	2021014509	336009	BAMANIKAR SIMRAN ALTAF	14
6	2021014510	336010	BANDUGOL MEHABUB AKBAR	15
7	2021014512	336012	BARALE VISHAL DILIP	8
8	2021014514	336014	BHAKARE ADITYA ANANDA	8
9	2021014515	336015	Bhaldar Usaid Javed	9
10	2021014517	336017	BHARATI REVATI PRAMODRAO	AB
11	2021014520	336020	Bhosale Soham Vilas	13
12	2021014526	336026	PREM UMESH BUCHADE	AB
13	2021014527	336027	CHANDSHA ASIF RIYAJ	13
14	2021014528	336028	CHAVAN GEETA GANAPAT	11
15	2021014532	336032	CHAVAN SIDDHARTH RAJ	AB
16	2021014534	336034	Chikhalkar Akshata Ramesh	8
17	2021014537	336037	CHOUGALE AVADHUT SURESH	AB
18	2021014538	336038	Chougale Prasad Vilas	8
19	2021014541	336041	DESAI ANJUM MOHIDDIN	9
20	2021014542	336042	DESAI FARADIN SALIM	8
21	2021014551	336051	Dhere Shreya Suresh	14
22	2021014554	336054	DIXIT SAIRAJ ANIL	10
23	2021014557	336057	EKSHINGE ASHISH PANDURANG	8
24	2021014565	336065	GHARAL DHANASHREE DINKAR	15
25	2021014569	336069	Gosavi Arjun Madhukar	9
26	2021014570	336070	GOSAVI RAHUL RAVINDRA	10
27	2021014571	336071	GOUDAR RAJASHRI MUDAKAPPA	14
28	2021014584	336084	Jadhav Prasad Bhikaji	11
29	2021014585	336085	jadhav Pruthviraj dhanaji	10
30	2021014586	336086	JADHAV RITESH VIJAY	AB
31	2021014590	336090	JADHAV SOMESH KALLAPPA	14
32	2021014592	336092	JAGADALE SANIKA SANJAY	9
33	2021014595	336095	jakhale Swapnil anil	8
34	2021014596	336096	Jamadar Saqlain Ayyajahamad	11
35	2021014597	336097	JIRAGE CHARAN SUNIL	8
36	2021014600	336100	JONDHALE NISHA VIJAY	9
37	2021014610	336110	Kamble Amey Kamalakar	AB
38	2021014611	336111	KAMBLE ANIKET KUMAR	8

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Mobile Number

Internal Examiner

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I Session:JAN-FEB 2022

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
Subject: HINDI OPT -I (DSC-1016A) - CIE				
39	2021014614	336114	KAMBLE HRUTIKA SUDHIR	13
40	2021014619	336119	Kamble Mayuri Tanaji	AB
41	2021014622	336122	Kamble Prashant Prakash	14
42	2021014624	336124	KAMBLE ROHAN RANJIT	8
43	2021014628	336128	KAMBLE SWATI UDAY	8
44	2021014632	336132	Kapse Prathmesh Jagnnath	AB
45	2021014633	336133	Karande Omkar Sarjerao	8
46	2021014636	336136	KATKAR AKASH MARUTI	12
47	2021014641	336141	KHARARE SAHIL NANDKUMAR	12
48	2021014642	336142	KHONDAL BHARAT JAYRAM	AB
49	2021014645	336145	Khude Pratik Shahaji	AB
50	2021014647	336147	KOLI ABHIJEET ANIL	AB
51	2021014648	336148	Koli Ashish Suresh	8
52	2021014649	336149	KOLI HARSH PRADIP	AB
53	2021014652	336152	Kumbhar Sakshi Rahul	8
54	2021014656	336156	KURANE JYOTI SHANKAR	11
55	2021014658	336158	Lambor Prakash Baban	8
56	2021014659	336159	Lade Rutuja Sanjay	9
57	2021014661	336161	LIGADE MANASI JITENDRA	11
58	2021014663	336163	LINGAM KATYAYANI VINAYAK	13
59	2021014664	336164	Londhe Sandesh Tanaji	14
60	2021014665	336165	MACHHALE ABHISHEK UMAKANT	13
61	2021014668	336168	Magdum Pruthviraj Rajendra	AB
62	2021014671	336171	Mane abhijeet Sanjay	AB
63	2021014674	336174	MANE KEDAR SHANKAR	8
64	2021014676	336176	Mane Madhuri Ravikiran	8
65	2021014680	336180	Mane Tejashri Sanjay	14
66	2021014683	336183	MANER UMARFARUK RASUL	8
67	2021014687	336187	MIRAJKAR SAKSHI MAHESH	14
68	2021014690	336190	MITAKE AMOL SUNIL	AB
69	2021014692	336192	Mogale Anuj Rakesh	9
70	2021014697	336197	MUJAWAR ARMA RAFIK	13
71	2021014698	336198	SHAHANVAJ YASIN MUJAWAR	AB
72	2021014699	336199	MULLA AMAN MUBARAK	8
73	2021014702	336202	MUSALE PRATHAMESH LAXMAN	AB
74	2021014704	336204	NAIK ABHIJEET BHAGWAN	14
75	2021014706	336206	NALAWADE AKANKSHA ANANDRAO	14
76	2021014707	336207	NALAWADE RUSHIKESH PRAKASH	AB

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Internal Examiner Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - I **Session:** JAN-FEB 202

Subject: HINDI OPT -I (DSC-1016A) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
77	2021014710	336210	NANDARE ADITYA AVINASH	10
78	2021014711	336211	NANDE OMKAR MAHADEV	8
79	2021014713	336213	NAVALE SANSKRUTI SAVAN	14
80	2021014714	336214	NAVALE VARDHMAN ANIL	12
81	2021014715	336215	NEJE SUSHANT SURESH	8
82	2021014722	336222	PARIT AISHWARYA MURALIDHAR	10
83	2021014723	336223	PARIT SNEHAL SHIVAJI	8
84	2021014724	336224	PATEL ARMAN MUJIB	AB
85	2021014725	336225	Pathan Ayub Shakil	13
86	2021014729	336229	PATHAN TANJILA ISMAIL	14
87	2021014731	336231	Patil Abhijeet Krishnat	8
88	2021014738	336238	Patil Ankit Sandesh	10
89	2021014739	336239	Patil Atharav Divakar	AB
90	2021014741	336241	PATIL DIVYA RAMCHANDRA	12
91	2021014744	336244	PATIL NANDINI BHAUSO	12
92	2021014747	336247	Patil Pranav Mahadev	13
93	2021014748	336248	PRANAV SAYAJI PATIL	8
94	2021014750	336250	PATIL PRATHMESH SARJERAO	13
95	2021014754	336254	PATIL RAJNANDAN PANDURANG	13
96	2021014761	336261	PATIL SIDDHESH RAMESH	AB
97	2021014766	336266	PATOLE ANKIT SHAMRAO	8
98	2021014771	336271	PAWAR SANIKA RAVINDRA	14
99	2021014772	336272	POPALE POOJA DNYANDEV	14
100	2021014774	336274	POWAR GIREESH SURESH	8
101	2021014776	336276	POWAR KIRTI RAMCHANDRA	10
102	2021014778	336278	POWAR ROHIT VINOD	AB
103	2021014780	336280	POWAR SNEHAL AMAR	13
104	2021014788	336288	RATHOD SUNITA RAMESH	10
105	2021014790	336290	ROKADE VISHAL DATTU	12
106	2021014794	336294	Sande Mahamadkaif Shakil	10
107	2021014798	336298	SAPATE AJIT SATTU	8
108	2021014799	336299	SARNAIK VIGHNESH RUPESH	13
109	2021014800	336300	SATHE ROHAN SUBHASH	AB
110	2021014803	336303	SHAIKH HEENA ILAI	8
111	2021014807	336307	SHIKALGAR ASIF SAJID	AB
112	2021014808	336308	Shikalgar Khutija Allabaksha	8
113	2021014812	336312	SHINDE PRATHMESH MADHUKAR	15
114	2021014814	336314	Raj Santaram Shinde	8

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Session:JAN-FEB 202

Course: B.A. - FY SEM - I

Subject: HINDI OPT -I (DSC-1016A) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
115	2021014819	336319	Shirke Prakashdip Nivas	10
116	2021014821	336321	suryavanshi Sandip sambhaji	8
117	2021014827	336327	Taral Nikhil Prafull	AB
118	2021014828	336328	Tashildar MohammadSufiyan Javed	12
119	2021014829	336329	Thakare Sourabh Somnath	8
120	2021014830	336330	THORAT EKNATH DATTATRAY	11
121	2021014831	336331	TINMEKAR MAHAMMADJAKARIYA AKTAR	AB
122	2021014833	336333	TORAGALE AISHWARYA YALLAPPA	8
123	2021014834	336334	Udale Sairaj Hanmant	12
124	2021014837	336337	ULAPE VAIBHAV VINAYAK	AB
125	2021014838	336338	ulsar pooja shashikant	15
126	2021014841	336341	Vharambale Monika Rajaram	12
127	2021014842	336342	RUTUJA RAJENDRA VHARAMBALE	15
128	2021014843	336343	Waghmare Akash Balu	10
129	2021014845	336345	Wali Sakshi Suresh	10
130	2021014850	336350	ZARI UMAR DILAVAR	AB
131	2021014854	336354	JAMBONI RISHIKESH SUNIL	AB
132	2021014855	336355	SAWANT ANOSH RAVIRAJ	AB
133	2021014861	336361	PAWAR UDAY RAMCHANDRA	AB
134	2021014862	336362	HANKARE ASHWINI SUNIL	AB
135	2021014863	336363	CHOUGALE SAURABH MARUTI	AB
136	2021014864	336364	PATOLE AVADHUT HEMANTKUMAR	AB
137	2021014869	336369	Rajput Aashlesha Subhash	12

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Mobile Number

Internal Examiner

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - SY SEM - III Session:JAN-FEB 2022

Subject: HINDI (PAPER III) (DSC-1016C1) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2020014506	409005	BAGADI SAISHWAR RAJU	9
2	2020014515	409013	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	9
3	2020014518	409015	BHOSALE PRAJWAL KIRAN	9
4	2020014539	409026	CHAVAN SHANKAR PRAKASH	9
5	2020014540	409027	CHAVAN VIJAY RAMESH	10
6	2020014547	409033	CHOUGULE VIVEK VILAS	9
7	2020014564	409045	OMKAR DILIP GHERADE	8
8	2020014568	409048	GONDHALI AVISHKAR RAVINDRA	9
9	2020014574	409051	GURAV SNEHAL SAGAR	10
10	2020014575	409052	GURAV VAISHANAVI SANJAY	10
11	2020014577	409054	HASURE SNEHAL BHAUSO	9
12	2020014580	409058	INDIKAR KARINA MALAPPA	10
13	2020014587	409063	JAGADALE SOURABH SAMPAT	AB
14	2020014596	409071	KADAM ABHISHEK SUDESH	8
15	2020014597	409072	KADAM PRATHMESH ANANDA	7
16	2020014602	409076	KAMBLE ADITYA KRISHNAT	8
17	2020014608	409080	KAMBLE GITESHKUMAR ATUL	9
18	2020014609	409081	HARSHAD AAKARAM KAMBLE	8
19	2020014612	409086	KAMBLE RANI SAMPAT	10
20	2020014616	409090	KAMBLE SANIKA KUNDAN	10
21	2020014624	409095	KHOT VAIBHAV RAJARAM	7
22	2021015047	409097	KOKARE PRIYANKA ARVIND	10
23	2020014635	409104	KOTHAVALE PALLAVI PRAKASH	10
24	2020014638	409108	KUMAR ASHISH .	10
25	2020014645	409113	LAD NAMRATA KISHOR	10
26	2020014652	409116	KARTIK PRADEEP LAMBE	10
27	2020014661	409123	LOKHANDE SHIVANI PRAKASH	10
28	2020014662	409124	MAHALE VAISHNAVI SUNIL	10
29	2020014663	409125	MALI ARTI RAJENDRA	10
30	2021015080	409130	MANE HARSHAD BABASO	10
31	2021015088	409138	MENDGULE MAYUR SUNIL	8
32	2020014677	409139	MOHITE PRERANA PRAVIN	10
33	2020014679	409141	MOLE AISHWARYA RAJESH	10
34	2020014690	409149	NARSINGE SANIKA BHARAT	9
35	2021015100	409150	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	9
36	2020014698	409156	TABASSUM RAFIK PATEL	9
37	2020014700	409158	PATIL ANUJA MAHADEV	10
38	2020014704	409161	PATIL HEMANT MILIND	10

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Internal Examiner Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Session:JAN-FEB 202

Course: B.A. - SY SEM - III

Subject: HINDI (PAPER III) (DSC-1016C1) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
39	2020014706	409163	PATIL KETAN TANAJI	10
40	2018014764	409167	PATIL OMKAR MAHADEV	10
41	2020014716	409173	PATIL SANIKA SANJAY	10
42	2020014768	409174	PATIL VAIBHAVI CHANDRAKANT	10
43	2020014723	409180	PINGALE ANIKET GURUDAS	9
44	2020014725	409182	SHUBHANGI SAMBHAJI PORE	8
45	2020014739	409191	RANE TEJAS PANDIT	9
46	2020014744	409196	SOURABH ANANDA RAVAN	9
47	2020014746	409198	POOJA YALGONDA REPE	10
48	2020014755	409206	SAWANT SHIVRAJ JITENDRA	10
49	2020014758	409207	SHAIKH JUVERIYA JAVED	9
50	2020014804	409212	SHINDE MAYURESH KRUSHNAT	10
51	2020014764	409214	SHINDE SHIVSHANKAR NAGNATH	10
52	2020014765	409215	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	10
53	2020014651	409233	LAMBA ADITYA GOKULA	8
54	2020014800	409234	PATIL PRANAV YASHWANT	7

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR 416003

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

4

" ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार "
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Signature of Supervisor

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's
VIVEKANAND COLLEGE (Autonomous), KOLHAPUR

Class B.A. II Div. Roll No. 5036

Suppliment No. Subject Hindi (Opt)

Test / Tutorial No. sem - 3

Name:- Rani sampat Kamble 10/10

प्र-1) शतरंज के खिलाडी कहानी की प्रासंगीता लीखीऐ?

⇒ जीवन परीचय :-

शतरंज के खिलाडी कहानी के लेखक प्रेमचंद्र है। प्रेमचंद जी का जन्म उत्तर प्रदेश में वाराणासी के निकट लमही नामक गाँव मे सन 1830 में हुआ था। उनका वास्तविक नाम धनपतराय था। प्रारंभ में वे उर्दु मे लिखते थे लेकिन बाद में उन्होने हिंदी को अपनाया था।

हिंदी साहित्य के संदर्भ में जो प्रसिध्दी और लोकप्रियता प्रेमचंद को मिली वह किसी और साहित्यकार को आज तक नहीं मिल पाई इसका कारण प्रेमचंद के साहित्य के आपक सरोकार है उनके समय में जितनी भी राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक समस्याएँ भी उन सब पर केंद्रित साहित्य उन्होंने लिखा। प्रेमचंद की सहानुभूति देश के मामूली- से मामूली आदमी के प्राति थी।

उनकी कहानियाँ और उपन्यास अपने समय की बात ही नहीं कहते, वे आज भी हमारे लिए पठनीय और प्रासंगिक है। उनके साहित्य की इन्ही विशेषताओं के कारण यदि उन्हे भारत का सांस्कृतिक राजदूत कहा जाता है। प्रेमचंद ने लगभग साढे तीन सौ कहानियाँ लिखी हैं जो 'मानसरोवर' नाम से आठ खंडो मे प्रकाशित है। उनके महत्वपूर्ण उपन्यास हैं सेवासदन, प्रेमश्रम, निर्मला, रंगभूमि, गबन, कर्मभूमि, गोदान, आदी.

उन्होने अपना एक प्रेस खोला और एक मासिक पत्रिका हंस का प्रकाशन प्रारंभ किया। इस पत्रिका के माध्यम से उन्होने भारत में प्रगतिशील साहित्य के लेखन और प्रकाशन में महत्व-पूर्ण योगदान दिया। और सन 1936 मे उनकी मृत्यू हो गई।

Scanned by CamScanner

कहानी के मुख्य पात्र हैं - मिरजा साहब और मीर साहब इन दोनों के ~~व्यक्तित्व~~ व्यक्तित्व में अनेक समानाएँ हैं क्योंकि ये एक ही वर्ग के हैं। प्रेमचंद ने इन दोनों की समान प्रवृत्तियों के आधार पर तत्कालीन वातावरण को भी चित्रित किया और कहानी के अन्य पात्र हैं - मिरजा साहब की बेगम, बादशाही सवार और नौकरानी हरिया आदि।

मिरजा साहब का पुरा नाम मिरजा सज्जाद अली था। वे लखनऊ के नवाब वाजिदअली शाह के एक जागीरदार थे। उन्हे अपनी जीविका चलाने की कोई चिंता नही थी, क्योंकि उनके पास पैतृक संपत्ति थी। उन्हे शतरंज खेलने का ~~बेहद~~ बेहद शौक था या कहें कि बुरी ~~लत~~ लत थी। वे बेहद आलसी और कामचोर इंसान थे। उनकी शतरंज खेलने की आदत के बारे में उनके आस-पास के लोग नौकर और चाकर भी अच्छी राय नही रखते तथा उनकी बुराई करते रहते हैं। मिरजा साहब शतरंज के खेल में इतने डुब जाते कि घर की चिंता करना भी छोड देते। इसलिए उनकी बेगम भी उनसे परेशान रहती थी और हमेशा मिरजा साहब को लताडती रहती थी। वे यह बताना चाहते हैं कि जिस देश का जिम्मेदार वर्ग लापरवाह होकर विलास में डूब जाता है, उस देश को गुलाम होने से कोई नही बचा सकता।

मिरजा और मीर दोनों ही बाप-दादाओ को मिली जागीरोंपर जिंदा हैं उन्हें आजीविका की कोई चिंता नहीं बल्कि पैतृक संपत्ति ने इन्हे कामचोर, विलासी, कायर और डरपोक बना दिया है। इसलिए मिरजा बेगम से भी डरते हैं और बादशाही फौजों से भी, साथ ही अंग्रेजी सेना से भी। बेगम के सामने मिरजा ~~झुठ~~ झुठ तक बोलते हैं। यह दिखाते हैं मानो वे स्वयं तो शतरंज नही खेलना चाहते, मीर अली उन्हे विवश करते हैं। मिरजा जिस प्रकार से परिवार की चिंता नही करते उसी प्रकार पुरे लखनऊ की भी चिंता नही करते। उन्हें इस बात की कोई परवाह नही कि ~~ब~~ लखनऊ के बादशाह को बंदी बना लिया गया है, वे सुविधाओं को छोडने का

Scanned by CamScanner

जोखिम नही उठा सकते। वे सुख विलास के बिना रह नही सकते। उनकी इस आदत ने उन्हे कायर बना दिया है। ऐसी स्थिती में भी मिरजा और मीर के कानों पर जुँ तक नहीं रेंगती। वे अपनी लत में डुबे हुए हैं। कहीं उनको इस लत पर प्रेमचंद भंग्य करते हुए कहते हैं - "कोई योगी भी समाधि में इतना एकाग्र न होता होगा।"

गोरों की फौज ने जब नवाब वाजिद अली को बंदीबना लिया तो मिरजा मीरा अली से कहते हैं 'खुदकी कसम आप बडे बेदर्द हैं। इतना बडा हादसा देखकर भी आपको दुख नही होता। हाय, गरीब वाजिद अली शाह। पर इससे यह न समझिए कि मिरजा को नवाब के गिरफतार होने पर दुख हैं, बल्कि मिरजा शतरंज में मीर अली से हार रहे हैं और उनका ध्यान भटकाने के लिए ऐसा कह रहे हैं। यह भी उनके शतरंज - प्रेम में डुबे होने का संकेत करना हैं, राजभक्ति की ओर नही।

मिरजा देश की हार देख सकते थे, शतरंज की हार नही। वे उस वक्त झुंझलाते, परेशान होते हैं जब शतरंज में मीर अली से हारते हैं।

मीर साहब का पुरा नाम मीर रोशन अली हैं। उनके पास भी मिरजा साहब की तरह पैतृक जागीरदारी है। इन्हे भी अपनी जिविका चलाने की कोई चिंता नहीं। हमेशा शतरंज खेलना तथा पान, हुक्का, चिलम जैसे मादक पदार्थों का सेवन करना इनकी आदत है। इनकी इस आदत ने इनके स्वाभिमान को नष्ट कर दिया है। मिरजा साहब की पत्नी इनसे बेहद नफरत करती हैं, फिर भी ये मिरजा साहब के घर जाना नहीं छोडा। मीर साहब को मिरजा की बेगम का बोलना बुरा लगता है। इसलिए वे मिरजा साहब की बेगम के सामने तनकर रहने की नसीहत देते हैं।

मीरा साहब बहुत डरपोक और कायर इन्सान है। मिरजा की बेगम के गुस्से के डर से वे भाग जाते हैं। एक बार जब बादशाही फौज का अफसर इनका नाम पुछता हुआ

आता है तो इनके होश उड़ जाते हैं। भागने में ही ये अपनी भलाई समझते हैं। घर के दरवाजे बंद करके नौकर को बोलते हैं कि उन्हें कह दो कि घर में नहीं हैं। अर्थात झूठ बोलना इन्हें भी आता है। शतरंज खेलने में बेईमानी भी करते हैं। यही बेईमानी और झूठी अकड़ मिरजा की तरह उनकी भी मृत्यु का कारण बनती है।

10/10

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - SY SEM - III

Session:JAN-FEB 202

Subject: HINDI (PAPER IV) (DSC-1016C2) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2020014506	409005	BAGADI SAISHWAR RAJU	10
2	2020014515	409013	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	10
3	2020014518	409015	BHOSALE PRAJWAL KIRAN	10
4	2020014539	409026	CHAVAN SHANKAR PRAKASH	8
5	2020014540	409027	CHAVAN VIJAY RAMESH	7
6	2020014547	409033	CHOUGULE VIVEK VILAS	8
7	2020014564	409045	OMKAR DILIP GHERADE	8
8	2020014568	409048	GONDHALI AVISHKAR RAVINDRA	10
9	2020014574	409051	GURAV SNEHAL SAGAR	8
10	2020014575	409052	GURAV VAISHANAVI SANJAY	8
11	2020014577	409054	HASURE SNEHAL BHAUSO	8
12	2020014580	409058	INDIKAR KARINA MALAPPA	10
13	2020014587	409063	JAGADALE SOURABH SAMPAT	AB
14	2020014596	409071	KADAM ABHISHEK SUDESH	9
15	2020014597	409072	KADAM PRATHMESH ANANDA	7
16	2020014602	409076	KAMBLE ADITYA KRISHNAT	8
17	2020014608	409080	KAMBLE GITESHKUMAR ATUL	8
18	2020014609	409081	HARSHAD AAKARAM KAMBLE	8
19	2020014612	409086	KAMBLE RANI SAMPAT	10
20	2020014616	409090	KAMBLE SANIKA KUNDAN	10
21	2020014624	409095	KHOT VAIBHAV RAJARAM	8
22	2021015047	409097	KOKARE PRIYANKA ARVIND	10
23	2020014635	409104	KOTHAVALE PALLAVI PRAKASH	8
24	2020014638	409108	KUMAR ASHISH .	10
25	2020014645	409113	LAD NAMRATA KISHOR	9
26	2020014652	409116	KARTIK PRADEEP LAMBE	10
27	2020014661	409123	LOKHANDE SHIVANI PRAKASH	8
28	2020014662	409124	MAHALE VAISHNAVI SUNIL	8
29	2020014663	409125	MALI ARTI RAJENDRA	10
30	2021015080	409130	MANE HARSHAD BABASO	8
31	2021015088	409138	MENDGULE MAYUR SUNIL	7
32	2020014677	409139	MOHITE PRERANA PRAVIN	10
33	2020014679	409141	MOLE AISHWARYA RAJESH	10
34	2020014690	409149	NARSINGE SANIKA BHARAT	9
35	2021015100	409150	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	10
36	2020014698	409156	TABASSUM RAFIK PATEL	10
37	2020014700	409158	PATIL ANUJA MAHADEV	10
38	2020014704	409161	PATIL HEMANT MILIND	10

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR 416003

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - SY SEM - III

Session:JAN-FEB 202

Subject: HINDI (PAPER IV) (DSC-1016C2) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
39	2020014706	409163	PATIL KETAN TANAJI	7
40	2018014764	409167	PATIL OMKAR MAHADEV	10
41	2020014716	409173	PATIL SANIKA SANJAY	9
42	2020014768	409174	PATIL VAIBHAVI CHANDRAKANT	10
43	2020014723	409180	PINGALE ANIKET GURUDAS	10
44	2020014725	409182	SHUBHANGI SAMBHAJI PORE	8
45	2020014739	409191	RANE TEJAS PANDIT	10
46	2020014744	409196	SOURABH ANANDA RAVAN	10
47	2020014746	409198	POOJA YALGONDA REPE	10
48	2020014755	409206	SAWANT SHIVRAJ JITENDRA	9
49	2020014758	409207	SHAIKH JUVERIYA JAVED	10
50	2020014804	409212	SHINDE MAYURESH KRUSHNAT	9
51	2020014764	409214	SHINDE SHIVSHANKAR NAGNATH	8
52	2020014765	409215	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	10
53	2020014651	409233	LAMBA ADITYA GOKULA	9
54	2020014800	409234	PATIL PRANAV YASHWANT	7

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Name-: Aiman Tajuddin Navalekar
Roll No-: 5100
class -: B.A. II
Sub -: ~~English~~ Hindi

10/10

गुरु महिमा :-

गुरु का हर किसी के जीवन में बहुत महत्त्व है। गुरु के बिना ज्ञान असंभव है। इसकी महत्वता कि वजह से हि गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा पद दिया गया है। गुरु को अलग-अलग रूप ब्रह्म-विष्णू एवं महेश्वर का रूप भी माना गया है, क्योंकि गुरु अपने शिष्य को न सिर्फ ज्ञान देता है, बल्कि एक नया जीवन देता है और उसकी रक्षा करता है। यहीं नहीं गुरु के महत्त्व का वर्णन शास्त्रो में किया गया है। पुराने समय में ऋषि-मुनि से अपने शिष्यो को शस्त्र विदया, दर्शनशास्त्र और साहित्यिक ज्ञान देकर उनका मार्ग-दर्शन करते थे, साथ हि समाज के विकास का बीडा भी उठाते रहे है।

गुरु शब्द दो अक्षरों से मिलकर बना है। 'गु' का अर्थ होता है अंधकार एवं 'रु' का अर्थ होता है। प्रकाश (ज्ञान) अर्थात गुरु हमें अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की तरफ ले जाते हैं। इसके साथ हि गुरु हि इंसान कि जीवन कि ज्योति जगता है और गुरु, सदमार्ग की राह दिखाता है। गुरु भवसागर के सागर से तारना सिखाता है। इसलिए हिंदी साहित्य के महान कवि कबीर दास जी ने अपने कुछ दोहे के माध्यम से गुरु और शिष्य के संबंध को बेहद सुंदर और सरल तरीके से समझाया है, इसके साथ हि उन्होंने गुरु का स्थान सबसे ऊँचा बताया है।

वर्तमान में गुरु-शिष्य के रिश्ते कि परिभाषा हि बदल गई है, लेकिन फिर भी इस दोहे के माध्यम से हिंदी साहित्य के महान कवि कबीर दास जी ने गुरु से ज्ञान प्राप्त करने के लिए लोगों को प्रेरित किया है और ऐसे मुर्खों को सीख दी है। जो गुरुओ को कुछ नहीं समझते है और अपने घमंड में चुर रहते है जिन्हें बाद में निराशा हि हाथ लगती है और वे अपने जीवन में सफलता हासिल नहीं कर पाते है।

Scanned by CamScanner

DATE / /

1) गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पायं ।
बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय ॥

कबीर दास जी ने इस दोहे में गुरु कि अपार महिमा को वर्णन किया है। कबीर दास जी कहते हैं कि गुरु ने हमे भगवान तक पहुंचाने के रास्ते से अवगत कराया है। इसलिए गुरु और भगवान में से किसी एक चरण स्पर्श करने का अवसर मिले तो मैं गुरु के चरण स्पर्श करना पसंद करूंगा इस दोहे में कबीर दास जी ने गुरु की महिमा को ईश्वर से भी बड़ा बताया है। उनके अनुसार गुरु वह व्यक्ति है, जो आपको अंधकार से प्रकाश की तरफ ले जाते है। हमे हमेशा अपने गुरुओं का सम्मान करना चाहिए और अपनी सफलता के लिए उनको श्रेय देना नहीं भुलना चाहिए क्योंकि गुरु के बिना ज्ञान असंभव है।

2) गुरु पारस को अन्तरो, जानत है सबसन्त ।
वह लोहा कंचन करे, ये करि लये महन्त ॥

इस दोहे मे संत कबीर दास जी ने गुरु और पारस पत्थर कि तुलना करते हुए कहा है कि यह सब संत जानते है कि पारस तो लोहे को सोना हि बताता है, लेकिन गुरु वो होता, अपने शिष्यों को महान बनाता है। संत कबीर दास जी के इस दोहे से हमे यह सीख मिलती है, हमें अपने गुरुओं की इज्जत करनी चाहिए, क्योंकि गुरु, गुरु होता है। वर्तमान में कई लोग ऐसे भी है जो गुरु के महत्व को नहीं समझते और अंधकार में अपना जीवन व्यतीत करते हैं। ऐसे लोगों कि कबीरदास जी ने इस दोहे के माध्यम से बड़ी सीख देते हैं।

Scanned by CamScanner

TEJ MY BRAIN
DATE / /

3) गुरु बिन ज्ञान न अर्जे, गुरु बिन मिले न मोग।
गुरु बिन लखै न सत्य को गुरु बिन मिटे न दोष ॥

इस दोहे में कबीर दास जी कहते हैं - संसारिक प्राणियों बिना गुरु के ज्ञान का मिलना असंभव है। तब तक मनुष्य अज्ञान रूपी अंधकार में भटकता हुआ मायारूपी सांसारिक बंधनो में जकड़ा रहता है, जब तक कि गुरु कि कृपा प्राप्त नही होती। मोक्ष रूपी मार्ग दिखलाने वाले गुरु हैं। बिना गुरु के सत्य एवं असत्य का ज्ञान नही होता। उचित और अनुचित के भेद का ज्ञान नहीं होता फिर मोक्ष कैसे प्राप्त होगा? अतः गुरु की शरण में जाओ। गुरु ही सच्ची राह दिखाएँगे ॥

4) सब धरती कागज करूँ, लिखनी सब बनराय।
सात समुद्र कि मसि करूँ, गुरु गुण लिखा न जाय ॥

कबीर यही मानते हैं कि पृथ्वी को कागज, जंगल को कलम, सातो समुद्रो को साही बनाकर लिखने पर भी गुरु को गुण नही लिखे जा सकते। हमारे जीवन में गुरु का महत्व इतना है कि बिना गुरु के गुण के महत्व को समझना चाहिए क्योंकि गुरु के सिखाए गए गुणों से ही इंसान अपने जीवन में सफलता हासिल कर सकता है। ऐसे सच्चे तथा ज्ञानी गुरु के सहवास में रहकर शिष्य भी ज्ञानी बनता है। उसका अज्ञान रूपी अंधकार मिट जाता है और ज्ञान के उजाले में वह अपने साथ अपने समाज तथा देश का भी उद्धार करता है।

5) हरि रूठे गुरु ठौर है, गुरु रूठे नहि ठौर ॥

इस दोहे में संत कबीर दास जीने कहा है कि भगवान के रूठने पर तो गुरु की शरण रक्षा कर सकती है, लेकिन गुरु के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना सम्भव नहीं है। जिसे ब्राह्मणों ने आचार्य, बौद्धो ने कल्याण-मित्र, जैनो ने तीर्थंकर और मुनि नाथो ने तथा वैष्णव संतो और बौद्ध सिद्धो ने उपास्य सद्गुरु कहा है

Scanned by CamScanner

उस की गुरु गुरु से अग्निपाद की तीनों अग्नियाँ भी थर थर काँपती हैं। त्रिलोक्यपति भी गुरु का गुणगान करते हैं। ऐसे गुरु के रूठने पर कहीं भी ठौर नहीं। इस दोहे से हमें सदैव अपने गुरु कि आज्ञा का पालन करना चाहिए और हमेशा वो काम करना चाहिए जो गुरु को अच्छा लगे।

6) कबीर माया मोहिनी जैसी मीठी खांड।
संतगुरु कि किरपा भई नहीं तो करनी भांड॥

कबीरदास मानते है कि माया है मनुष्य को संसार के जंजाल मे उलझाए रखती है। वह शक्कर या मिसरी के समान मीठी होती है। भोले-भाले लोग उसकी बातों मे आकर फस जाते है। संसार के मोहजाल में फसाकर अज्ञानी मनुष्य अपने मन मे अहंकार, इच्छा, राग और द्वेष के विकारो से भरा उसका मन माया के प्रभाव से ऊपर नही उठ सकता है और जन्म मृत्यु के चक्र में फसा रहता है। कबीर दास जी कहते हैं सद्गुरु कि कृपा से मनुष्य माया के इस मोहजाल मे छुट सकता है।

इसी तरह से इन सभी दोहे में से और दोहों के माध्यम से अपने जीवन मे और सभी मनुष्य कि जीवन में गुरु का महत्व कितना महान है यह बात कबीर जी ने दोहे में वर्णित गुरु महिमा को स्पष्ट किया है।

10/10

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - V

Session:JAN-FEB 202

Subject: HINDI- VIII (DSE - 1016E2) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2019014513	482034	AWATE RUTUJA SANJAY	10
2	2019014540	482037	BODKE AMIT NIVRUTTIRAO	10
3	2019014581	482039	GAIKWAD VARSHA JAYAVANT	10
4	2019014587	482040	GAVALI SWAPNIL RAMCHANDRA	10
5	2019014593	482041	GHATAGE SHRUTI ANIL	10
6	2021015442	482042	JAMADAR FARDIN FIROJ	10
7	2019014632	482043	KAMBLE AMRUTA BABASAHEB	10
8	2019014708	482044	MAHABRI IJAJAHAMAD HASIM	10
9	2696966	482045	MUTWALLI SAQLAIN SHAKIL	10
10	2019014736	482046	NAGARAJI RIYAJ DASTGIR	9
11	2019014765	482047	PATIL KIRAN SARJERAO	8
12	2019014782	482048	PATIL YUVRAJ DHANAJI	9
13	2019014806	482050	SALAGAR SNEHA MARUTI	8
14	2019014811	482051	SANADE AAFROJ JAVED	10
15	2019014828	482052	SHAIKH SAAD MUSTAKMAHAMAD	10
16	2019014829	482053	SHAIKH WAJID TAJMAHAMAD	10
17	2019014759	482248	PATIL ARPITA AMAR	10

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Tupe
(Dr. D. R. Tupe)

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - V

Session:JAN-FEB 202

Subject: HINDI-VII (DSE - 1016E1) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2019014513	482034	AWATE RUTUJA SANJAY	10
2	2019014540	482037	BODKE AMIT NIVRUTTIRAO	10
3	2019014581	482039	GAIKWAD VARSHA JAYAVANT	10
4	2019014587	482040	GAVALI SWAPNIL RAMCHANDRA	10
5	2019014593	482041	GHATAGE SHRUTI ANIL	10
6	2021015442	482042	JAMADAR FARDIN FIROJ	10
7	2019014632	482043	KAMBLE AMRUTA BABASAHEB	10
8	2019014708	482044	MAHABRI IJAJAHAMAD HASIM	10
9	2696966	482045	MUTWALLI SAQLAIN SHAKIL	10
10	2019014736	482046	NAGARAJI RIYAJ DASTGIR	9
11	2019014765	482047	PATIL KIRAN SARJERAO	8
12	2019014782	482048	PATIL YUVRAJ DHANAJI	9
13	2019014806	482050	SALAGAR SNEHA MARUTI	8
14	2019014811	482051	SANADE AAFROJ JAVED	10
15	2019014828	482052	SHAIKH SAAD MUSTAKMAHAMAD	10
16	2019014829	482053	SHAIKH WAJID TAJMAHAMAD	10
17	2019014759	482248	PATIL ARPITA AMAR	10

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR 416 003

Dr A.S. Mulla

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - V　　　　Session:JAN-FEB 2022

Subject: HINDI-IX (DSE - 1016E3) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2019014513	482034	AWATE RUTUJA SANJAY	10
2	2019014540	482037	BODKE AMIT NIVRUTTIRAO	10
3	2019014581	482039	GAIKWAD VARSHA JAYAVANT	10
4	2019014587	482040	GAVALI SWAPNIL RAMCHANDRA	10
5	2019014593	482041	GHATAGE SHRUTI ANIL	10
6	2021015442	482042	JAMADAR FARDIN FIROJ	10
7	2019014632	482043	KAMBLE AMRUTA BABASAHEB	10
8	2019014708	482044	MAHABRI IJAJAHAMAD HASIM	10
9	2696966	482045	MUTWALLI SAQLAIN SHAKIL	10
10	2019014736	482046	NAGARAJI RIYAJ DASTGIR	9
11	2019014765	482047	PATIL KIRAN SARJERAO	8
12	2019014782	482048	PATIL YUVRAJ DHANAJI	9
13	2019014806	482050	SALAGAR SNEHA MARUTI	8
14	2019014811	482051	SANADE AAFROJ JAVED	10
15	2019014828	482052	SHAIKH SAAD MUSTAKMAHAMAD	10
16	2019014829	482053	SHAIKH WAJID TAJMAHAMAD	10
17	2019014759	482248	PATIL ARPITA AMAR	10

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Dr. A. S. Mahat

Internal Examiner　　　　Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Session:JAN-FEB 2022

Course: B.A. - TY SEM - V

Subject: HINDI-X (DSE - 1016E4) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2019014513	482034	AWATE RUTUJA SANJAY	10
2	2019014540	482037	BODKE AMIT NIVRUTTIRAO	10
3	2019014581	482039	GAIKWAD VARSHA JAYAVANT	10
4	2019014587	482040	GAVALI SWAPNIL RAMCHANDRA	10
5	2019014593	482041	GHATAGE SHRUTI ANIL	10
6	2021015442	482042	JAMADAR FARDIN FIROJ	10
7	2019014632	482043	KAMBLE AMRUTA BABASAHEB	10
8	2019014708	482044	MAHABRI IJAJAHAMAD HASIM	10
9	2696966	482045	MUTWALLI SAQLAIN SHAKIL	10
10	2019014736	482046	NAGARAJI RIYAJ DASTGIR	9
11	2019014765	482047	PATIL KIRAN SARJERAO	8
12	2019014782	482048	PATIL YUVRAJ DHANAJI	9
13	2019014806	482050	SALAGAR SNEHA MARUTI	8
14	2019014811	482051	SANADE AAFROJ JAVED	10
15	2019014828	482052	SHAIKH SAAD MUSTAKMAHAMAD	10
16	2019014829	482053	SHAIKH WAJID TAJMAHAMAD	10
17	2019014759	482248	PATIL ARPITA AMAR	10

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Dr A. S. Mahat

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - V

Session:JAN-FEB 2022

Subject: HINDI-XI (DSE - 1016E5) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2019014513	482034	AWATE RUTUJA SANJAY	10
2	2019014540	482037	BODKE AMIT NIVRUTTIRAO	10
3	2019014581	482039	GAIKWAD VARSHA JAYAVANT	10
4	2019014587	482040	GAVALI SWAPNIL RAMCHANDRA	10
5	2019014593	482041	GHATAGE SHRUTI ANIL	10
6	2021015442	482042	JAMADAR FARDIN FIROJ	10
7	2019014632	482043	KAMBLE AMRUTA BABASAHEB	10
8	2019014708	482044	MAHABRI IJAJAHAMAD HASIM	10
9	2696966	482045	MUTWALLI SAQLAIN SHAKIL	10
10	2019014736	482046	NAGARAJI RIYAJ DASTGIR	9
11	2019014765	482047	PATIL KIRAN SARJERAO	8
12	2019014782	482048	PATIL YUVRAJ DHANAJI	9
13	2019014806	482050	SALAGAR SNEHA MARUTI	8
14	2019014811	482051	SANADE AAFROJ JAVED	10
15	2019014828	482052	SHAIKH SAAD MUSTAKMAHAMAD	10
16	2019014829	482053	SHAIKH WAJID TAJMAHAMAD	10
17	2019014759	482248	PATIL ARPITA AMAR	10

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

(Dr. D. R. Tupe)

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

"ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षणप्रसार"

- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

श्री स्वामी विवेकानंद शिक्षण संस्था संचालित

विवेकानंद कॉलेज, कोल्हापुर (स्वायत्त)

हिंदी विभाग

शैक्षिक वर्ष 2021 - 22

दि. 17/05/2022

नोटिस

वरीष्ठ महाविद्यालय के हिंदी विभाग के बी. ए. भाग एक, दो और तीन के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि शैक्षिक वर्ष 2021-22 का दूसरे सत्र का अंतर्गत मूल्यमापन (होम असाइमेंट/ टेस्ट/ सेमिनार /प्रोजेक्ट) दि. 31/05/2022 तक कमरा क्रमांक - 23 में जमा करें।

डॉ. आरिफ महात
विभागाध्यक्ष,
हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,
कोल्हापूर.

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabal Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - II

Session:JUNE-JULY 202

Subject: HINDI OPT - II (DSC-1016B) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2021014501	337001	AAJAPGOL YASH SANJAY	14
2	2021014502	337002	AOUTADE SOURABH DNYANDEV	15
3	2021014503	337003	Adityaraj Ananda Awate	15
4	2021014509	337009	BAMANIKAR SIMRAN ALTAF	13
5	2021014510	337010	BANDUGOL MEHABUB AKBAR	13
6	2021014512	337012	BARALE VISHAL DILIP	12
7	2021014515	337015	Bhaldar Usaid Javed	15
8	2021014517	337017	BHARATI REVATI PRAMODRAO	10
9	2021014520	337020	Bhosale Soham Vilas	12
10	2021014526	337026	PREM UMESH BUCHADE	15
11	2021014532	337032	CHAVAN SIDDHARTH RAJ	13
12	2021014534	337034	Chikhalkar Akshata Ramesh	13
13	2021014537	337037	CHOUGALE AVADHUT SURESH	13
14	2021014538	337038	Chougale Prasad Vilas	15
15	2021014551	337051	Dhere Shreya Suresh	15
16	2021014565	337065	GHARAL DHANASHREE DINKAR	15
17	2021014569	337069	Gosavi Arjun Madhukar	15
18	2021014570	337070	GOSAVI RAHUL RAVINDRA	15
19	2021014571	337071	GOUDAR RAJASHRI MUDAKAPPA	13
20	2021014584	337084	Jadhav Prasad Bhikaji	15
21	2021014586	337086	JADHAV RITESH VIJAY	14
22	2021014590	337090	JADHAV SOMESH KALLAPPA	15
23	2021014591	337091	Jadhav Vishwajit Vitthal	15
24	2021014592	337092	JAGADALE SANIKA SANJAY	15
25	2021014595	337095	jakhale Swapnil anil	14
26	2021014596	337096	Jamadar Saqlain Ayyajahamad	13
27	2021014597	337097	JIRAGE CHARAN SUNIL	14
28	2021014600	337100	JONDHALE NISHA VIJAY	15
29	2021014614	337114	KAMBLE HRUTIKA SUDHIR	15
30	2021014619	337119	Kamble Mayuri Tanaji	15
31	2021014622	337122	Kamble Prashant Prakash	14
32	2021014624	337124	KAMBLE ROHAN RANJIT	14
33	2021014632	337132	Kapse Prathmesh Jagnnath	14
34	2021014633	337133	Karande Omkar Sarjerao	14
35	2021014636	337136	KATKAR AKASH MARUTI	14
36	2021014641	337141	KHARARE SAHIL NANDKUMAR	15
37	2021014645	337145	Khude Pratik Shahaji	10
38	2021014647	337147	KOLI ABHIJEET ANIL	13

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - FY SEM - II **Session:** JUNE-JULY 2022

Subject: HINDI OPT - II (DSC-1016B) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
39	2021014648	337148	Koli Ashish Suresh	10
40	2021014651	337151	KUBADE SAIRAJ SHASHIKANT	14
41	2021014652	337152	Kumbhar Sakshi Rahul	15
42	2021014659	337159	Lade Rutuja Sanjay	14
43	2021014663	337163	LINGAM KATYAYANI VINAYAK	15
44	2021014664	337164	Londhe Sandesh Tanaji	14
45	2021014665	337165	MACHHALE ABHISHEK UMAKANT	15
46	2021014668	337168	Magdum Pruthviraj Rajendra	15
47	2021014671	337171	Mane abhijeet Sanjay	10
48	2021014674	337174	MANE KEDAR SHANKAR	15
49	2021014676	337176	Mane Madhuri Ravikiran	14
50	2021014680	337180	Mane Tejashri Sanjay	15
51	2021014687	337187	MIRAJKAR SAKSHI MAHESH	15
52	2021014692	337192	Mogale Anuj Rakesh	13
53	2021014697	337197	MUJAWAR ARMA RAFIK	15
54	2021014699	337199	MULLA AMAN MUBARAK	14
55	2021014704	337204	NAIK ABHIJEET BHAGWAN	15
56	2021014705	337205	NAIKWADI TAHASIN ARIF	15
57	2021014706	337206	NALAWADE AKANKSHA ANANDRAO	15
58	2021014710	337210	NANDARE ADITYA AVINASH	10
59	2021014711	337211	NANDE OMKAR MAHADEV	14
60	2021014713	337213	NAVALE SANSKRUTI SAVAN	13
61	2021014715	337215	NEJE SUSHANT SURESH	13
62	2021014722	337222	PARIT AISHWARYA MURALIDHAR	15
63	2021014723	337223	PARIT SNEHAL SHIVAJI	15
64	2021014729	337229	PATHAN TANJILA ISMAIL	15
65	2021014731	337231	Patil Abhijeet Krishnat	14
66	2021014738	337238	Patil Ankit Sandesh	14
67	2021014739	337239	Patil Atharav Divakar	15
68	2021014744	337244	PATIL NANDINI BHAUSO	13
69	2021014747	337247	Patil Pranav Mahadev	15
70	2021014748	337248	PRANAV SAYAJI PATIL	14
71	2021014750	337250	PATIL PRATHMESH SARJERAO	15
72	2021014754	337254	PATIL RAJNANDAN PANDURANG	15
73	2021014761	337261	PATIL SIDDHESH RAMESH	14
74	2021014771	337271	PAWAR SANIKA RAVINDRA	15
75	2021014772	337272	POPALE POOJA DNYANDEV	15
76	2021014774	337274	POWAR GIREESH SURESH	10

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Session:JUNE-JULY 202

Course: B.A. - FY SEM - II

Subject: HINDI OPT - II (DSC-1016B) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
77	2021014776	337276	POWAR KIRTI RAMCHANDRA	15
78	2021014784	337284	Punekar Hujaf Shakil	10
79	2021014790	337290	ROKADE VISHAL DATTU	15
80	2021014794	337294	Sande Mahamadkaif Shakil	14
81	2021014798	337298	SAPATE AJIT SATTU	14
82	2021014802	337302	SAVANT PRIYA PRABHAKAR	13
83	2021014803	337303	SHAIKH HEENA ILAI	15
84	2021014807	337307	SHIKALGAR ASIF SAJID	15
85	2021014808	337308	Shikalgar Khutija Allabaksha	15
86	2021014814	337314	Raj Santaram Shinde	15
87	2021014819	337319	Shirke Prakashdip Nivas	14
88	2021014821	337321	suryavanshi Sandip sambhaji	14
89	2021014822	337322	Tejwanti DHANAJI Suryavanshi	10
90	2021014829	337329	Thakare Sourabh Somnath	14
91	2021014830	337330	THORAT EKNATH DATTATRAY	14
92	2021014833	337333	TORAGALE AISHWARYA YALLAPPA	15
93	2021014834	337334	Udale Sairaj Hanmant	10
94	2021014837	337337	ULAPE VAIBHAV VINAYAK	13
95	2021014838	337338	ulsar pooja shashikant	15
96	2021014841	337341	Vharambale Monika Rajaram	14
97	2021014842	337342	RUTUJA RAJENDRA VHARAMBALE	15
98	2021014845	337345	Wali Sakshi Suresh	15
99	2021014854	337354	JAMBONI RISHIKESH SUNIL	10
100	2021014869	337369	Rajput Aashlesha Subhash	15
101	2021014585	4585	jadhav Pruthviraj dhanaji	13
102	2021014649	4649	KOLI HARSH PRADIP	13
103	2021014661	4661	LIGADE MANASI JITENDRA	13
104	2021014698	4698	SHAHANVAJ YASIN MUJAWAR	10
105	2021014707	4707	NALAWADE RUSHIKESH PRAKASH	14
106	2021014799	4799	SARNAIK VIGHNESH RUPESH	15
107	2021014800	4800	SATHE ROHAN SUBHASH	14
108	2021014831	4831	TINMEKAR MAHAMMADJAKARIYA AKTAR	10
109	2021014855	4855	SAWANT ANOSH RAVIRAJ	10
110	2021014861	4861	PAWAR UDAY RAMCHANDRA	15

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416003

Mobile Number

Internal Examiner

Scanned by CamScanner

" ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार "
– शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Signature of Supervisor

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's
VIVEKANAND COLLEGE (Autonomous), KOLHAPUR

Class: बी.ए - भाग-१ Div: 7 Roll No. ४६६१
Suppliment No.: Subject: हिंदी - ऑप्शनल
Test / Tutorial No.: होम असाईनमेंट

नाम :- अभिषेक . उमाकांत . मघले

प्रश्न • 'अंन्धेरे के बारे में कुछ वाक्य' इस कविता के माध्यम से कवि कितने अँन्धेरों की चर्चा करते हैं ?

→ 'अन्धेरे के बारे में कुछ वाक्य' इस कविता में कवि ने अनेक अँन्धेरों की चर्चा की है, वे आगे बताये गए हैं।

'अन्धेरे में सबसे बड़ी दिक्कत यह थी कि वह किताब पढ़ना नामुमकिन बना देता था।'

वैसे तो अँन्धेरे का काम ही क्या है? यह तो स्वाभाविक है। किताबो पर पड़ती रोशनी जब हटती है, तब अंन्धेरा छा जाता है, यह तो कवि भी अनुभव करता है, यह एक सामान्य प्रक्रिया है। इस किताब को बुद्धि के उजाले का प्रतिक कैसे माना जाए, किताब तो खुद अन्य उजलों से प्रकाशित होने पर ही दिखती है।

'पता नहीं शरारतन ऐसा करता था या किताबों से डरता था।'

जिसका अस्तित्व ही उजाले के न होने से है, वह शरारत क्या करेगा, जो उजाले से डरता हो वो अंन्धेरे से क्या बाहर निकलेगा ऐसा कवि बताते हैं।

Scanned by CamScanner

'लेकिन अंन्धेरे के अनेक चेहरे थे
पॉवर - हाउस की किसी ग्रिड के अचानक बिगड़ जाने
पर कई दिनों तक अंन्धकार में डूबा रहा
देश का एक बड़ा हिस्सा।'

यह सामाजिक अंन्धकार तो नहीं है, तकनीकि असफलता से पैदा अंधकार है, इस अंधेरे को दूर करने के लिए पावर हाउस की ग्रिड को ठीक करना ही काफी है, जो एक इलेक्ट्रिशियन कर सकता है। वहाँ कवि के उजाले की जिद्द क्या काम आयेगी।

'लेकिन इससे भी बड़ा अन्धेरा था
जो सत्ता की राजनीतिक जिद् से पैदा होता था
था किसी विश्व - शक्ति के आगे घुटने टेक देने वाले
गुलाम दिमागों से।'

यहाँ अंन्धेरे को तोड़ने के लिए उजाले को जिद करते नहीं दिखाया गया है। मेरे देखे राजनातिक सत्ताएँ अंधेरा नहीं फैलाती वरना उजाले के केन्द्रों को उध्वस्त करती है, और अंन्धेरा पॉव पसार देता है। गुलाम हो या आजाद उनमें अंन्धेरा नहीं फैलाया जाता, उनके पास उजाला पाने की जो युक्ति है, उसे छीन लिया जाता है, क्योंकि वस्तुतः उजाले का ही अस्तित्व है अंन्धेरे का नहीं। राजनीति ने [redacted] आज के समाज में बहुत अंन्धेरा पैदा किया है। इसमें कोई दो राय नहीं, यह उसने मनुष्य की स्वतंत्रता छीन कर किया है।

'एक बौद्धिक अंन्धकार मौका लगते ही सारे देश
को हिंसक उन्माद में झोंक देता था।'

Scanned by CamScanner

सहृदय जन को यहाँ कुछ सोचने का अवसर मिलता है, यह बौद्धिक अँन्धेरा है क्या? मेरी समझ से सोच विवेक को अपहृत कर लेना ही बौद्धिक अंन्धेरा है। यह तो कृत्रिम ढंग से किया जा सकता है, शैक्षणिक जैसी विधियों से। यह उजाला पहले से ही स्वतंत्र उपस्थित है। किंतु सत्ता हमेशा बौद्धिक अंन्धेरा ही पैदा करती हो ऐसा नहीं है। कृत्रिम उजाला अँन्धेरे को दूर नहीं कर सकता. क्यों की उसका होना अधूरे व्यक्तियों के हाथ में होता है। मजा यह कि वह सामाजिक उजाले के पैरोकार थे।

7/7

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Subject Wise Student Blank Marks Entry

Session: JUNE-JULY 2022 **Subject:** HINDI PAPER-V (DSC-1016D1)

Stream: B.A.

Standard: B.A. - SY **Sub-Subject:** CIE

Semester: SEM - IV **Max Marks:** 10

Print Date : 23-06-2022

SrNo	PRN	SeatNo	GRNos	RollNo	StudentName	Marks
1	2020014506	410005	2451572	4955	BAGADI SAISHWAR RAJU	10
2	2020014515	410013	2518817	4963	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	09
3	2020014518	410015	2703134	4965	BHOSALE PRAJWAL KIRAN	10
4	2020014540	410027	2463626	4977	CHAVAN VIJAY RAMESH	08
5	2020014564	410045	2738824	4995	GHERADE OMKAR DILIP	08
6	2020014568	410048	2491598	4998	GONDHALI AVISHKAR RAVINDRA	09
7	2020014574	410051	2537760	5001	GURAV SNEHAL SAGAR	10
8	2020014575	410052	2537840	5002	GURAV VAISHANAVI SANJAY	10
9	2020014577	410054	2518513	5004	HASURE SNEHAL BHAUSO	09
10	2020014580	410058	2507450	5008	INDIKAR KARINA MALAPPA	10
11	2020014587	410063	2519752	5013	JAGADALE SOURABH SAMPAT	09
12	2020014596	410071	2458706	5021	KADAM ABHISHEK SUDESH	09
13	2020014602	410076	2491662	5026	KAMBLE ADITYA KRISHNAT	10
14	2020014608	410080	2492544	5030	KAMBLE GITESHKUMAR ATUL	10
15	2020014609	410081	2545589	5031	KAMBLE HARSHAD AAKARAM	10
16	2020014612	410086	2485023	5036	KAMBLE RANI SAMPAT	10
17	2020014616	410090	2486232	5040	KAMBLE SANIKA KUNDAN	09
18	2020014624	410095	2703806	5045	KHOT VAIBHAV RAJARAM	10
19		410097	2953520	5047	KOKARE PRIYANKA ARVIND	10
20	2020014635	410104	2714370	5054	KOTHAVALE PALLAVI PRAKASH	10
21	2020014638	410108	2490302	5058	KUMAR ASHISH .	10
22	2020014645	410113	2582308	5063	LAD NAMRATA KISHOR	10
23	2020014652	410116	2458716	5066	LAMBE KARTIK PRADEEP	10
24	2020014661	410123	2505445	5073	LOKHANDE SHIVANI PRAKASH	10
25	2020014662	410124	2561009	5074	MAHALE VAISHNAVI SUNIL	09
26	2020014663	410125	2507402	5075	MALI ARTI RAJENDRA	07
27		410130	2953522	5080	MANE HARSHAD BABASO	10
28	2021015088	410138	2953503	5088	MENDGULE MAYUR SUNIL	Ab
29	2020014677	410139	2468186	5089	MOHITE PRERANA PRAVIN	10
30	2020014679	410141	2507274	5091	MOLE AISHWARYA RAJESH	09
31	2020014690	410149	2580267	5099	NARSINGE SANIKA BHARAT	10
32	2021015100	410150	2953504	5100	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	09
33	2020014698	410156	2535914	5106	PATEL TABASSUM RAFIK	10
34	2020014700	410158	2507237	5108	PATIL ANUJA MAHADEV	09
35	2020014704	410161	2631356	5111	PATIL HEMANT MILIND	09
36	2020014706	410163	2681456	5113	PATIL KETAN TANAJI	
37		410167	458135	5117	PATIL OMKAR MAHADEV	10
38	2020014716	410173	2625695	5123	PATIL SANIKA SANJAY	10
39	2020014768	410174	2732932	5124	PATIL VAIBHAVI CHANDRAKANT	10
40	2020014723	410180	2580542	5130	PINGALE ANIKET GURUDAS	08
41	2020014725	410182	2644452	5132	PORE SHUBHANGI SAMBHAJI	08
42	2020014739	410191	2607681	5141	RANE TEJAS PANDIT	08
43	2020014744	410196	2519031	5146	RAVAN SOURABH ANANDA	09
44	2020014746	410198	2517595	5148	REPE POOJA YALGONDA	10
45	2020014755	410206	2491544	5156	SAWANT SHIVRAJ JITENDRA	09
46	2020014758	410207	2478711	5157	SHAIKH JUVERIYA JAVED	10
47	2020014804	410212	2831286	5162	SHINDE MAYURESH KRUSHNAT	10
48	2020014764	410214	2692958	5164	SHINDE SHIVSHANKAR NAGNATH	08
49	2020014765	410215	2490895	5165	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	09

Tupe

(Dr. D. R. Tupe)

Scanned by CamScanner

" ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार "
– शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Signature of Supervisor

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE (Autonomous), KOLHAPUR

Class B.A.II Sem ~~Div~~ IV Roll No. 5073.

~~Suppliment~~ Name:- Shivani Prakash Lokhande Subject Hindi

Test / Tutorial No. (होम असायमेंट)

Paper NO:- 05

10/10

प्र. 1. कोर्ट मार्शल कहानीका उद्देश लिखिए।

→

जीवन परिचय !- कोर्ट मार्शल कहानी के निर्माता स्वदेश दिपक है उनका जन्म रावलपिंडी में 6 अगस्त 1942 को हुआ। अंग्रेजी साहित्य में एम. ए करने के बाद लंबे समय तक गाँधी मेमोरियल कॉलेज, अंबाला छावणी में अध्यापन किया। 1991 से 1997 तक दुनिया से कटे रहने के बाद जीवन की ओर उनकी बहुआयामी वापसी हुई। लेकिन एक बार फिर डिप्रेशन का शिकार हुए। जिसके कारण 2006 से यह महान नाटककार लापता है। स्वदेश का प्रत्येक नाटक टैक्स्ट के अतिरिक्त भी कुछ कहता है। उनकी प्रत्येक कहानी तथा नाटक समाज के भेदशा पक्षको उजागर करते है। स्वदेश दिपक का कोर्ट मार्शल का पहला मंचन रंजीत कपूर के निर्देशन मे जनवरी 1991 को श्रीराम सेंटर के सभागार मे हुआ। तब से लेकर अब तक यानी की विगत 17 सालों में कोर्ट मार्शल की दर्शक दिर्घा मे किसी प्रकार का कोई अंतर नही आया। कोर्ट मार्शल कि सबसे ख्यास बात यह है कि इतने सालों से मंचित होने के बावजूद भी इसकी स्क्रिप्ट तथा संवाद पुराने पड गए नही लगते है।

कोर्ट मार्शल जिस प्रकार लेखन के स्तर पर एक सफल नाटक है, उसी प्रकार, मंचन के स्तर ~~पर~~ पर एक सर्वाधिक पसंद किया जाने वाला नाटक है।

कर्नल सुरत सिंह ने न जाने कितने जंग के मैदानों और कोर्ट मार्शल का सामना किया था परन्तु एक कोर्ट मार्शल उनकी सोच और जीवन को आमूल चुल बदल देता है।

Scanned by CamScanner

सवार रामचंदर का जनरल कोर्ट मार्शल ~~का सामना किया था~~ हम लोगों के जीवन में ऐसे मोमेंट्स जंग के मैदा में भी आते है और कोर्ट मार्शल के कमरे में भी और सुरत सिंह के खिलाफ आज तक कोई भी किसी तरह का चक्रव्यूह नही बना पाया न युद्ध मे न ही कोर्ट मार्शल में क्योंकि मुझे चक्रव्यूह में प्रवेश करने और बाहर निकलने की रननिती आती है और कैप्टन बी.डी. कपूर और कैप्टन वर्मा के सामंती तेवर सवार रामचंदर पर हावी होने की कोशिश करते हैं। उच्च वर्ग द्वारा निम्न वर्ग की दबाए जाने की बरसो पुरानी कवायद शुरु हो जाती है। चाहकर भी रामचंदर अपने प्रति किए गए हुए अन्याय का प्रतिकार नही कर पाता और न ही उसकी आवाज को वहाँ कि पहूँचने दिया जाता है। जहाँ पहूँचकर न्याय मिलने कि संभावना की जा सकती थी। यह नाटक पर्दे के ~~आड़~~ पिछे छिपे सच को जानने कि एक इमानदार कोशिश है। रामचंद्र के केस के पक्ष में जो दलिलें दी जाती है, वह समाज की अन्य कुप्रथाओं को और भी अनायास इशारा कर देती है।

कोर्ट मार्शल की कथा तथा उसके मुल उद्देश को गति देने में दोनो पात्रों को भी भूमिका रही है। जिसमे कर्नल सुरत सिंह, कैप्टन बिकास राय, रामचंद्र, मेजर अजय पुरी, सुबेदार बलवान सिंह, कैप्टन बी.डी. कपूर, डॉ. कैप्टन गुप्ता, लेफ्टीनेंट कर्नल ब्रजेन्द्र रावत कमांडिंग ऑफसर, गार्ड आदि पात्रों का समावेश है। और इसमे कैप्टन वर्मा की हत्या हो चुकी है मेजर अजय पुरी सरकारी पक्ष के वकिल है। तथा एक वकिल होने के समस्त गुण इनमें विद्यमान है। और कॅप्टन बिकाश राय के अनुसार छोटा अन्याय, हमेशा बड़े अन्याय को जन्म देता है। बलवान सिंह द्वारा रामचंदर पर होने वाले अत्याचार को सी.ओ. तक न पहूँचाए जाने के विषय में बिकाश का कथन है।

Scanned by CamScanner

कहानी का उद्देश :-

कोर्ट मार्शल 'जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है सेना और उनके नियम कायदे कानुन के इर्द-गिर्द घुमता नाटक है। संसार में किसी भी सभ्य देश कि सेना में गंभीर अपराध करने पर कोर्ट मार्शल होता है। कोर्ट मार्शल के निर्णय के विरुद्ध किसी सिविल कोर्ट में अपील नही की जा सकती। एक सिनिअर अफसर कोर्ट मार्शल का सभापति जज, प्रीजाइडिंग अफसर होता है उसको साथ दो अथवा चार जज होते है, जिनका कार्य लगभग ज्यूरी-जैसा होता है। निर्णय देते समय इन जजों के मत बराबर हो टाईवाट की स्तिथी में तब प्रीजाइडिंग अफसर अपना निर्णायक मत देता है। ताकि कोर्ट मार्शल सही ढंग से हो सेना के कानुन विभाग की तरफ से जज एड्वोकेट सलाहकार जज को सलाह ~~दे सकता है~~। भेजा जा सकता है। जो जरुरत पडने पर सभापति जज को सलाह दे सकता है। शेष कार्यवाही लगभग किसी भी सिविल कोर्ट की तरह होती है- एक सरकारी वकिल भी प्रायः सेना के कानुन विभाग से भेजे जाते है। यह नाटक न केवल भारतीय अवस्था के आधारभूत ढाँचे सेना के भीतर की शिनाख्त करता है बल्की भारतीय समाज के एक बहुत बडे विमर्श कि भी बखुबी बयान करता है। वह बडा विमर्श कहले या सच कहले यह है की स्वतंत्रता के 65 बरस पश्चात भी सामाजिक भेदभाव जातिगत श्रेष्ठता की भावना ज्यों-की त्यों बनी है। शक्ति शाली वर्ग चाहे वह किसी भी दृष्टी से शक्तिशाली हो।

निर्बल को अपना निशाना बनाता ही है। सामाजिक अवस्था की बुनावट ही ऐसी है कि निर्बल न्याय की लडाई नही लड पाता लेखक ने नाटक के माध्यम से इस माध्यम से इस सामंत वादी अवस्था से लडने का एक महती आक्रमस इस कहानी में किया है। कोर्ट मार्शल आम विषयोंसे नही बल्की सैनिकों के जीवन से जिक्र करता है जो न जाने कितनी बार मौत को कन्फ्रट करते है और उसका आनंद भी लेते है।

कोर्ट मार्शल नाटक का प्रमुख उद्देश समकालीन विसंगतियों को जनता के संमुख लाना है। यह नाटक इस

तरब को बहुत सत्यता के साथ उजागर करता है कि आजादी के पाश्चात भी समाज स्वयं की बनाई रूढीयों और पिसी-पिटी नितियाँ समाज में एक ऐसी घिनौने सच को जन्म देता है जो अपनी व्यक्ति को ही भीतर आत्मग्लानी से भर देता है इसि आत्मग्लानि के कारण कैप्टन बी.डी. कपूर जैसा सामती चारित्य आत्महत्या को प्रेरीत होता है। अत: नाटक का प्रमुख उद्देश्य मुख्य रूप से अपने ऑडियंस को या लोगो को यह संदेश प्रेषित करना है कि जाति-प्रथा के आधार पर व्यक्ति-व्यक्ति का बँटवारा करना घातक सत्य के जन्म का कारण होगा। इसिलिए समाज के हक में यही होगा कि वह अपने सामंती विचारोंका जुआ अपने कंधो से उतार दे।

10/10

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Subject Wise Student Blank Marks Entry

Session: JUNE-JULY 2022 **Subject:** HINDI PAPER-VI (DSC-1016D2)

Stream: B.A.

Standard: B.A. - SY **Sub-Subject:** CIE

Semester: SEM - IV **Max Marks:** 10

Print Date : 14-07-2022

SrNo	PRN	SeatNo	GRNos	RollNo	StudentName	Marks
1	2020014506	410005	2451572	4955	BAGADI SAISHWAR RAJU	10
2	2020014515	410013	2518817	4963	BHOSALE CHANDRAKANT DNYANOBA	10
3	2020014518	410015	2703134	4965	BHOSALE PRAJWAL KIRAN	10
4	2020014540	410027	2463626	4977	CHAVAN VIJAY RAMESH	9
5	2020014564	410045	2738824	4995	GHERADE OMKAR DILIP	8
6	2020014568	410048	2491598	4998	GONDHALI AVISHKAR RAVINDRA	10
7	2020014574	410051	2537760	5001	GURAV SNEHAL SAGAR	10
8	2020014575	410052	2537840	5002	GURAV VAISHANAVI SANJAY	10
9	2020014577	410054	2518513	5004	HASURE SNEHAL BHAUSO	9
10	2020014580	410058	2507450	5008	INDIKAR KARINA MALAPPA	10
11	2020014587	410063	2519752	5013	JAGADALE SOURABH SAMPAT	10
12	2020014596	410071	2458706	5021	KADAM ABHISHEK SUDESH	10
13	2020014602	410076	2491662	5026	KAMBLE ADITYA KRISHNAT	10
14	2020014608	410080	2492544	5030	KAMBLE GITESHKUMAR ATUL	9
15	2020014609	410081	2545589	5031	KAMBLE HARSHAD AAKARAM	10
16	2020014612	410086	2485023	5036	KAMBLE RANI SAMPAT	9
17	2020014616	410090	2486232	5040	KAMBLE SANIKA KUNDAN	8
18	2020014624	410095	2703806	5045	KHOT VAIBHAV RAJARAM	9
19		410097	2953520	5047	KOKARE PRIYANKA ARVIND	7
20	2020014635	410104	2714370	5054	KOTHAVALE PALLAVI PRAKASH	9
21	2020014638	410108	2490302	5058	KUMAR ASHISH .	10
22	2020014645	410113	2582308	5063	LAD NAMRATA KISHOR	10
23	2020014652	410116	2458716	5066	LAMBE KARTIK PRADEEP	10
24	2020014661	410123	2505445	5073	LOKHANDE SHIVANI PRAKASH	10
25	2020014662	410124	2561009	5074	MAHALE VAISHNAVI SUNIL	10
26	2020014663	410125	2507402	5075	MALI ARTI RAJENDRA	10
27		410130	2953522	5080	MANE HARSHAD BABASO	9
28	2021015088	410138	2953503	5088	MENDGULE MAYUR SUNIL	8
29	2020014677	410139	2468186	5089	MOHITE PRERANA PRAVIN	10
30	2020014679	410141	2507274	5091	MOLE AISHWARYA RAJESH	10
31	2020014690	410149	2580267	5099	NARSINGE SANIKA BHARAT	9
32	2021015100	410150	2953504	5100	NAVALEKAR AIMAN TAJUDDIN	10
33	2020014698	410156	2535914	5106	PATEL TABASSUM RAFIK	10
34	2020014700	410158	2507237	5108	PATIL ANUJA MAHADEV	10
35	2020014704	410161	2631356	5111	PATIL HEMANT MILIND	10
36	2020014706	410163	2681456	5113	PATIL KETAN TANAJI	5
37		410167	458135	5117	PATIL OMKAR MAHADEV	9
38	2020014716	410173	2625695	5123	PATIL SANIKA SANJAY	10
39	2020014768	410174	2732932	5124	PATIL VAIBHAVI CHANDRAKANT	10
40	2020014723	410180	2580542	5130	PINGALE ANIKET GURUDAS	10
41	2020014725	410182	2644452	5132	PORE SHUBHANGI SAMBHAJI	9
42	2020014739	410191	2607681	5141	RANE TEJAS PANDIT	10
43	2020014744	410196	2519031	5146	RAVAN SOURABH ANANDA	10
44	2020014746	410198	2517595	5148	REPE POOJA YALGONDA	9
45	2020014755	410206	2491544	5156	SAWANT SHIVRAJ JITENDRA	9
46	2020014758	410207	2478711	5157	SHAIKH JUVERIYA JAVED	10
47	2020014804	410212	2831286	5162	SHINDE MAYURESH KRUSHNAT	10
48	2020014764	410214	2692958	5164	SHINDE SHIVSHANKAR NAGNATH	8
49	2020014765	410215	2490895	5165	SHINDE SRUSHTI LAXMAN	9

विभागाध्यक्ष,
हिंदी विभाग, विवेकानंद कॉलेज,
कोल्हापूर.

Scanned by CamScanner

" ज्ञान, विज्ञान आणि सुसंस्कार यांसाठी शिक्षण प्रसार "
- शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे

Signature of Supervisor

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's
VIVEKANAND COLLEGE (Autonomous), KOLHAPUR

10/10

Class बी.ए. भाग. दो Div सिम - चार Roll No. 5117

Suppliment No. ॥ होम असायमेंट ॥ Subject हिंदी - (O.P.T)

Test / Tutorial No. ॥ ओंकार महादेव पाटील ॥

प्र राम की शक्तिपुजा की कथावस्तु लिखिए.

→ प्रस्तुत कविता में कवि ने बँगला मे प्रसिद्ध 'राम-रावन-युद्ध' संबंधी उस कथा को काव्य का रुप दिया है, जिसके अनुसार राम ने रावण के प्रचंड पराक्रम से आकुल होकर विजय की प्राप्ति के लिए 'शक्ति' की पुजा की थी इसमें राम और रावण के युद्ध के अवसर पर शक्ति राम के अंतद्र्वद्व का वर्णन है।

यह संपुर्ण कथा 'भगवान राम' की कथा न होकर 'मानव राम' की कथा है जो निरंतर संघर्षों से लडते रहे हैं। उनके जीवन मे निरंतर आशा - निराशा, सुख - दुख, मिलन - विछोह के घात - प्रतिघात चलते रहे हैं। बाह्य परिस्थितियाँ उनको बार - बार विचलित कर देती है परंतु निरंतर संघर्ष रत रहने वाले राम अपने आत्मविश्वास को पुनः पुन जाग्रत कर दृढ और दुर्जेय बन संपुर्ण बाधाओं पर विजय प्राप्त करते जाते है। रावन के साथ होने वाले युद्ध के समय वे शक्ति की मौलिक रुप से उपासना करते है और सिद्धी प्राप्त करने के लिए अपना सब कुछ न्यौछावर करने को उद्यत हो जाते हैं। उनका यह आदर्श विषमताओं से त्रस्त मानवता को शवणीय अवस्था के प्रति निरंतर संघर्ष करने का संदेश देता है और उसे विश्वास दिलाता है कि उन शक्तियों की ही अंत मे विजय होती है जो मानवता की मुक्ति के लिए राम के समान निरंतर संघर्षरत रहती हैं।

Scanned by CamScanner

'मानव राम का रूप -:

बारंबार उठने वाला निराशा का यह भाव ही राम को भगवान न रहने देकर एक पूर्ण मानव बना देता है। वह ऐसे कर्मठ मानव के समान है जो परिस्थितियों से प्रभावित तो अवश्य होता है परंतु उनके सम्मुख कायर के समान आत्म-समर्पण कभी नही करता। क्षणभर को हताश हो पुन: चेतन हो कार्य की सिद्धि के लिए प्राणपण से जुट जाता है। वह बाधाओं पर विजय प्राप्त करने का कोई न कोई मार्ग निकल ही लेता है। राम का यह मन जो दीनता और विनय नही जानता था चैतन्य हो एक उपाय खोज ही लाता है। उन्हे याद आता है कि माता मुझे राजीवनयन कहा करती थी, इसलिए मैं अपना एक नेत्र देवी पर चढाकर पुरश्चरण पूरा करूँगा। यह सिद्ध करता है कि सिद्धि की प्राप्ति के लिए राम किसी भी प्रकार का बलिदान करने में नही हिचकिचाते और आत्मत्याग की यही प्रबल भावना अंत में उनकी सिद्धि को पूरा कर देती है। राम का यह रूप उस दुर्धर्ष, कर्मठ मानव का रूप है जो विषम परिस्थितियों में भी हार नही मानता और अंत मे विजयी होकर निकलता है।

संक्षेप मे, इस कविता के राम पूर्ण मानव है जिनके चरित्र में मानव सुलभ दृढता, निर्बलता, बुद्धि-चातुर्य अथक कर्मशक्ति एवं त्याग की उच्च कोटि की अनन्य भावना है। वह दुर्धर्ष योद्धा है। उन्हे रात-दिन केवल एक चिंता सताती रहती है कि सीता का उद्धार कैसे होगा। सीता के प्रति उनके हृदय में प्रेम का अक्षय स्रोत प्रवाहित होता रहता है। राम के यही गुण उन्हे भगवान न रहने देकर एक पूर्ण मानव के आसन पर आसीन करा देते है।

'हताश राम का रूप'-

राम हताश भाव से युद्धभूमि से लौट आते है। कवि ने हताश राम के इस रूप का बडा प्रभावशाली चित्रण

Scanned by CamScanner

किया है। उनके धनुष की प्रत्यंचा शिथिल है. कटिबंध ढीला हो गया है मजबूती से बाँधा गया जटाओं का मुकुट खुल गया है और उसकी लटें राम की पीठ बाहुओं और वक्ष पर फैल रही हैं। ऐसा प्रतीत होता है मानो विशाल दुर्गम पर्वत को निशा ने आवृत कर लिया हो। परंतु हताशा और रात्रि के उस अंधकार में भी राम की दोनों आँखें तारिकाओं के समान चमकती सुदूर भविष्य का अनुमान लगा रही हैं। राम आकर स्फटिक शिला पर बैठ जाते हैं। उन्हें रह-रह कर यह संशय सता रहा है कि कहीं रावण की विजय न हो जाए। उनका दुर्दान्त अदम्य हृदय आज रह-रह कर हार मान रहा है। परंतु इसी समय सहसा उनके मानस-नेत्रों के सम्मुख पुष्पवाटिका में सीता से प्रथम-मिलन का स्मृति-चित्र अंकित हो उठता है और राम सहसा सारी क्लांति और श्रांति त्याग मुस्करा उठते हैं उनके हृदय मे पुन: विश्व-विजय की भावना भर जाती है। उन्हें अपना पूर्व-पराक्रम याद आता है। जब उन्होंने सुबाहु खर-दूषण ताड़का आदि का वध किया था। परंतु इसके साथ ही उनके नेत्रों के सम्मुख शक्ति के उस भयंकर रूप का चित्र भी खिंच जाता है। जिसे उन्होंने आज रणभूमि में देखा था और जिसके शरीर में उनके सारे दिव्यास्त्र बुझ-बुझ कर लीन होते जा रहे थे। उस भीमा मूर्ति को देख राम पुन: शंकाकुल हो उठते हैं और अपनी आकुल प्रतीक्षा में डूबी सीता की कल्पना कर सिहर उठते हैं। इसी समय रावण का भयंकर अट्टहास सुन, अपनी विपन्नावस्था देख वे और अधिक उद्विग्न हो उठते हैं और उनके नेत्रों से दो बूँद आँसू झर पड़ते हैं।

'आशा-निराशा का द्वंद्व' -

राम की यह दशा देख विभीषण उन्हें समझाता है परंतु राम कोमल स्वर में उत्तर देते हैं कि शक्ति रावन की महाशक्ति अधर्मी रावण की सहायता क्यों कर रही है उनके विश्व-विजयी अस्त्र क्यों विफल हो रहे हैं.

Scanned by CamScanner

इसी समय वृदध जाम्बवंत उन्हें मंत्रणा देते है कि तुम शक्ति की मौलिक कल्पना कर उसका पुजन करो तुम पुरुष सिंह हो। तुम्हारी विजय अवश्य होगी। राम को जाम्बवंत की यह मंत्रणा उचित लगती है और वह उसे स्वीकार कर शक्ति की आराधना करने को प्रस्तुत हो जाते है। राम स्थिर मन से शक्ति की उ क्षणमात्र मे ही उनके सम्मुख उनके अपने जीवन की सारी विडंबना साकार हो उठती है कि यह भी कोई जीवन है जो सदैव विरोधों का ही सामना करता आया है, वह आकुल हो कहते है।

'विभीषण' -

विभीषण राम को उकसाने का प्रयत्न करता है। रावण द्वारा सीता को दुख देने का राम को भय दिखाता है। इसलिए राम पर उसकी बातों का कोई प्रभाव नही पडता। लक्ष्मण रावण के प्रहारों का निवारण कर रहे है और अंत मे चिंता मे डुबे राम के पीछे-पीछे शिविर मे लौट आते है। परंतु राम के नेत्रों मे अश्रु देख लक्ष्मण का प्रचंड तेज उद्दीप्त हो उठता है। राम की साधना के अंतराय में जाम्बवंत लक्ष्मण को महावाहिनी का नायक मानते है। बस लक्ष्मण की हमें यहाँ इतनी सी ही झलक मिलती है।

संक्षेप मे, निराला ने इस कविता के पात्रो के चरित्रांकन मे विशेष लाघव, कौशल एवं कला से काम लिया है। इसि तरहसे राम की शक्तिपुजा की कथावस्तु बताई है।

10/10

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha's

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - VI **Session:** JUNE-JULY 202

Subject: HINDI PAPER XII (DSE1016F1) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2019014513	483034	AWATE RUTUJA SANJAY	10
2	2019014540	483037	BODKE AMIT NIVRUTTIRAO	9
3	2019014561	483038	DALAVI DHIRAJ MARUTI	10
4	2019014581	483039	GAIKWAD VARSHA JAYAVANT	10
5	2021015442	483042	JAMADAR FARDIN FIROJ	10
6	2019014632	483043	KAMBLE AMRUTA BABASAHEB	10
7	2019014708	483044	MAHABRI IJAJAHAMAD HASIM	9
8	2696966	483045	MUTWALLI SAQLAIN SHAKIL	9
9	2019014736	483046	NAGARAJI RIYAJ DASTGIR	9
10	2019014765	483047	PATIL KIRAN SARJERAO	8
11	2019014782	483048	PATIL YUVRAJ DHANAJI	8
12	2019014803	483049	RUKADIKAR NIHAL ALNISAR	10
13	2019014806	483050	SALAGAR SNEHA MARUTI	10
14	2019014811	483051	SANADE AAFROJ JAVED	10
15	2019014828	483052	SHAIKH SAAD MUSTAKMAHAMAD	10
16	2019014829	483053	SHAIKH WAJID TAJMAHAMAD	10
17	2019014587	483257	GAVALI SWAPNIL RAMCHANDRA	10
18	2019014759	483261	PATIL ARPITA AMAR	10

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Internal Examiner **Mobile Number**

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Session:JUNE-JULY 202

Course: B.A. - TY SEM - VI

Subject: HINDI PAPER XIII (DSE1016F2) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2019014513	483034	AWATE RUTUJA SANJAY	10
2	2019014540	483037	BODKE AMIT NIVRUTTIRAO	9
3	2019014561	483038	DALAVI DHIRAJ MARUTI	10
4	2019014581	483039	GAIKWAD VARSHA JAYAVANT	10
5	2021015442	483042	JAMADAR FARDIN FIROJ	10
6	2019014632	483043	KAMBLE AMRUTA BABASAHEB	9
7	2019014708	483044	MAHABRI IJAJAHAMAD HASIM	9
8	2696966	483045	MUTWALLI SAQLAIN SHAKIL	9
9	2019014736	483046	NAGARAJI RIYAJ DASTGIR	8
10	2019014765	483047	PATIL KIRAN SARJERAO	8
11	2019014782	483048	PATIL YUVRAJ DHANAJI	10
12	2019014803	483049	RUKADIKAR NIHAL ALNISAR	10
13	2019014806	483050	SALAGAR SNEHA MARUTI	10
14	2019014811	483051	SANADE AAFROJ JAVED	10
15	2019014828	483052	SHAIKH SAAD MUSTAKMAHAMAD	10
16	2019014829	483053	SHAIKH WAJID TAJMAHAMAD	10
17	2019014587	483257	GAVALI SWAPNIL RAMCHANDRA	10
18	2019014759	483261	PATIL ARPITA AMAR	

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - VI **Session:** JUNE-JULY 202

Subject: HINDI PAPER XIV (DSE1016F3) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2019014513	483034	AWATE RUTUJA SANJAY	10
2	2019014540	483037	BODKE AMIT NIVRUTTIRAO	9
3	2019014561	483038	DALAVI DHIRAJ MARUTI	10
4	2019014581	483039	GAIKWAD VARSHA JAYAVANT	10
5	2021015442	483042	JAMADAR FARDIN FIROJ	10
6	2019014632	483043	KAMBLE AMRUTA BABASAHEB	10
7	2019014708	483044	MAHABRI IJAJAHAMAD HASIM	9
8	2696966	483045	MUTWALLI SAQLAIN SHAKIL	9
9	2019014736	483046	NAGARAJI RIYAJ DASTGIR	9
10	2019014765	483047	PATIL KIRAN SARJERAO	8
11	2019014782	483048	PATIL YUVRAJ DHANAJI	8
12	2019014803	483049	RUKADIKAR NIHAL ALNISAR	10
13	2019014811	483051	SANADE AAFROJ JAVED	10
14	2019014828	483052	SHAIKH SAAD MUSTAKMAHAMAD	10
15	2019014829	483053	SHAIKH WAJID TAJMAHAMAD	10
16	2019014587	483257	GAVALI SWAPNIL RAMCHANDRA	10
17	2019014759	483261	PATIL ARPITA AMAR	10

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Internal Examiner

Mobile Number

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - VI **Session:** JUNE-JULY 2022

Subject: HINDI PAPER XV (DSE1016F4) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2019014513	483034	AWATE RUTUJA SANJAY	10
2	2019014540	483037	BODKE AMIT NIVRUTTIRAO	9
3	2019014561	483038	DALAVI DHIRAJ MARUTI	10
4	2019014581	483039	GAIKWAD VARSHA JAYAVANT	10
5	2021015442	483042	JAMADAR FARDIN FIROJ	10
6	2019014632	483043	KAMBLE AMRUTA BABASAHEB	10
7	2019014708	483044	MAHABRI IJAJAHAMAD HASIM	9
8	2696966	483045	MUTWALLI SAQLAIN SHAKIL	9
9	2019014736	483046	NAGARAJI RIYAJ DASTGIR	9
10	2019014765	483047	PATIL KIRAN SARJERAO	8
11	2019014782	483048	PATIL YUVRAJ DHANAJI	8
12	2019014803	483049	RUKADIKAR NIHAL ALNISAR	10
13	2019014806	483050	SALAGAR SNEHA MARUTI	10
14	2019014811	483051	SANADE AAFROJ JAVED	10
15	2019014828	483052	SHAIKH SAAD MUSTAKMAHAMAD	10
16	2019014829	483053	SHAIKH WAJID TAJMAHAMAD	10
17	2019014587	483257	GAVALI SWAPNIL RAMCHANDRA	10
18	2019014759	483261	PATIL ARPITA AMAR	10

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1964 KOLHAPUR-416 003

Scanned by CamScanner

Shri Swami Vivekanand Shikshan Sanstha s

VIVEKANAND COLLEGE, KOLHAPUR (AUTONOMOUS)

2130, E Ward, Tarabai Park, Kolhapur, Maharashtra 416003

Student Marks Entry

Course: B.A. - TY SEM - VI **Session:** JUNE-JULY 2022

Subject: HINDI PAPER XVI (DSE1016F5) - CIE

Sr.No.	PRN No	Seat No	Student Name	Marks
1	2019014513	483034	AWATE RUTUJA SANJAY	10
2	2019014540	483037	BODKE AMIT NIVRUTTIRAO	9
3	2019014561	483038	DALAVI DHIRAJ MARUTI	10
4	2019014581	483039	GAIKWAD VARSHA JAYAVANT	10
5	2021015442	483042	JAMADAR FARDIN FIROJ	10
6	2019014632	483043	KAMBLE AMRUTA BABASAHEB	10
7	2019014708	483044	MAHABRI IJAJAHAMAD HASIM	9
8	2696966	483045	MUTWALLI SAQLAIN SHAKIL	9
9	2019014736	483046	NAGARAJI RIYAJ DASTGIR	9
10	2019014765	483047	PATIL KIRAN SARJERAO	8
11	2019014782	483048	PATIL YUVRAJ DHANAJI	8
12	2019014803	483049	RUKADIKAR NIHAL ALNISAR	10
13	2019014806	483050	SALAGAR SNEHA MARUTI	10
14	2019014811	483051	SANADE AAFROJ JAVED	10
15	2019014828	483052	SHAIKH SAAD MUSTAKMAHAMAD	10
16	2019014829	483053	SHAIKH WAJID TAJMAHAMAD	10
17	2019014587	483257	GAVALI SWAPNIL RAMCHANDRA	10
18	2019014759	483261	PATIL ARPITA AMAR	10

VIVEKANAND COLLEGE ESTD JUNE 1934 KOLHAPUR 416 003

Mobile Number

Internal Examiner

Scanned by CamScanner